हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 2023-24

.....

रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक सत्र 2023-24 में अनेकआयोजन किए गए। इसकी शुरुआत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग से हुई तो सेमेस्टर केअंतिम आयोजन के रूप में विभाग ने शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया।

डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग : विभाग में 19 सितम्बर 2023 को सीनियर विद्यार्थियों की बनाई पांच डॉक्यूमेंट्री को दिखाया गया। इसआयोजन से जहां नए विद्यार्थियों को यह बताने का प्रयास किया गया कि इसी तरह से आप सभी को भी काम करना है।डॉक्यूमेंट्री का निर्माण करना है, वहीं डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले विद्यार्थियों को उनके काम में रह गई कमियों को बताया गया। पत्रकारिता परिषद की ओर से आयोजित हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने डॉक्यूमेंट्रीस्क्रीनिंग का सत्र क्यों रखा गया है,इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इससे नए बच्चों को यह पता चलेगाकि उनके सीनियर किस तरह से काम करते रहे हैं। इसके बाद सबसे पहले तृतीय वर्ष की छात्रा निहारिका और शिवानी कीतिब्बती शरणार्थियों पर बनाई डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। निशा,अफसाना और कविता की बनाई 'कचरे में गुम जिंदगी' डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसी क्रम में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की राजनीति को लेकर लक्ष्य और प्रभाकर कीडॉक्यूमेंट्री में जेएनयू के परिदृश्य को दिखाया गया। रितु की डॉक्यूमेंट्री में 'गेटोर की छतरियां' में जयपुर के शाही शमशान घाटको दिखाया गया। अंत में रिया और प्रेरणा की बनाई डॉक्यूमेंट्री 'हुमायूं का मकबरा' दिखाई गई।

फोटोग्राफी कार्यशाला : विभाग ने 25 सितंबर 2023 को एक दिवसीय फोटो कार्यशाला‘फोटोग्राफी : तब और अब’ का आयोजनकिया,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रो. अमित चावला मौजूद थे। कार्यशाला आयोजित करवाने कामुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में कैमरा एवं फोटोग्राफी के महत्व एवं संबंधित तकनीक सेअवगत कराना था। सबसे रोचक यह रहाकि पत्रकारिता में शुरू से अब तक इस्तेमाल होने वाले सभी कैमरों के बारे में बताया गया। कार्यशालासंयोजिका डॉ. निशा सिंह ने विषय के बारे में जानकारी दी।

पर्यावरण पत्रकारिता में डाटा विजुअलाइजेशन : 11 अक्टूबर 2023 को ‘पर्यावरण समाचार में डाटा विज़ुअलाइज़ेशन’ नामक वर्कशॉपमहाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित की गई। कार्यशाला की संयोजक सुश्री श्वेता आर्या ने उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।पर्यावरण पत्रकारिता के लिए मशहूर पत्रिका ‘डाउन टू अर्थ’ के वरिष्ठ सहायक संपादक राजित सेन गुप्ता ने विद्यार्थियों को फास्टफैशन और उससे होने वाले नुकसानों से अवगत करवाया। पर्यावरण पत्रकारिता में डाटा विज़ुअलाइज़ेशन के बारे में बताया औरकंप्यूटर में व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों से डाटा विज़ुअलाइज़ेशन भी करवाया गया।

नए विद्यार्थियों का स्वागत : हिंदी पत्रकारिता के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 12 अक्टूबर 2023 को स्वागत समारोह का आयोजनकिया गया। इन विद्यार्थियों की प्रतिभा,रुचि और लगन देखने के लिए उन्हें सीनियर की ओर से विभिन्न तरह के टास्क दिएगए थे। सभी नवागंतुक विद्यार्थियों ने पूरे मन से तैयारी की थीए जिसकी बानगी वहां प्रस्तुतियों में देखने को मिली। विद्यार्थियोंके बीच मिस्टर और मिस फ्रेशर बनने के लिए तीन राउंड के टास्क रखे गए। अंत में विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार नेशिक्षकों द्वारा तय किए गए मिस्टर और मिस फ्रेशर की घोषणा की। उन्होंने बताया कि आर्यन को मिस्टर फ्रेशर और आस्थाको मिस फ्रेशर के लिए चुना गया है।

‘समाचार पत्र निर्माण’ विषयक कार्यशाला : विभाग की ओर से 17-18 अक्टूबर 2023 को‘समाचार पत्र निर्माण’ विषयक दोदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया,जिसमें प्रिंट पत्रकारिता के विशेषज्ञ और विभाग के प्राध्यापक डॉ. अटल तिवारी मुख्यप्रशिक्षक के तौर पर मौजूद रहे। कार्यशाला में विभाग के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन विभाग केसंयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कार्यशाला की औपचारिक शुरुआत करते हुए आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. अटलतिवारी ने शुरुआत में पीपीटी के माध्यम से समाचार पत्र निर्माण के बुनियादी बिंदुओं से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। हिंदी टाइपिंग और समाचार पत्र निर्माण वाले सॉफ्टवेयर क्वॉर्क एक्सप्रेस का महत्व बताया। पहले दिन कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों को एक पृष्ठ में लेआउट खींचकर लाने का गृह कार्य दिया गया। दूसरेदिन सभी विद्यार्थियों ने अपना-अपना पृष्ठ एक-दूसरे के साथ साझा किया। लेआउट में कमियां निकालीं। विशेषज्ञ शिक्षक ने भीकुछ एक लेआउट में कमियां बताईं और पृष्ठ बेहतर बनाने के सुझाव दिए। दो दिवसीय कार्यशाला से विद्यार्थियों ने डमीनिर्माण,लेआउट खींचना,डिज़ाइन और पेज मेकअप करना सीखा।

मीडिया शोध प्रविधि कार्यशाला : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए मीडिया शोध प्रविधि विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ के रूप में विभाग की शिक्षिका सुश्री श्वेता आर्या मौजूद रहीं। 25-26 अक्टूबर 2023 को कमरा नम्बर 28 में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ ने मीडिया शोध प्रविधि के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया।

‘वद्ज़्दा’फिल्म की स्क्रीनिंग : पत्रकारिता परिषद ने 27 अक्टूबर 2023 को ‘वद्ज़्दा’फिल्म की स्क्रीनिंग की। फिल्म कीकहानी समाज की काली सच्चाई बयां करती है। उसमें दिखाया गया कि कैसे धर्म के नाम पर महिलाओं पर अनेक तरह कीबंदिशें लगाई जाती हैं। विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने बताया कि यह फिल्म सऊदी अरब में शूट की गई पहली फीचर

फिल्म है। यह एक सच्ची घटना से प्रेरितहै। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से विद्यार्थी एकपूरे समाज को जान सकते हैं।

मीडिया कानून और अदालत की रिपोर्टिंग : 31 अक्टूबर 2023 को सेमिनार कक्ष में 'मीडिया कानून औरअदालत की रिपोर्टिंग' विषयक व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में मुख्य वक्ता के तौर पर प्रभाकर मिश्रने विद्यार्थियों को कोर्ट की रिपोर्टिंग के बारे में बताया कि किस तरह सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट में रिपोर्टिंग की जाती है। किनबिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है और मीडिया में ऐसे मुद्दों का क्या महत्व होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को चुनावी बॉन्ड, आईपीसी,सीआरपीसी,मानहानि,जूनियर जज से सीनियर जज बनने तक की प्रक्रिया और पीआईएल इत्यादि के बारे में जानकारीदी। विभाग की शिक्षिका डॉ. सीमा भारती ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वच्छता अभियान : हिंदी पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने परिसर में 1 नवम्बर 2023 को स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें तीनों वर्षों केविद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने मिलकर श्रमदान किया। विभाग संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने सभी विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छ परिसर के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्हें दस्ताने और बैग्स दिए गए। तत्पश्चात उनके निर्देशन में विद्यार्थियों ने सफाई अभियान चलाया।

'ट्रैवल जर्नलिज्म' पर कार्यशाला :हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और सामुदायिक रेडियो तरंग 90.0 एफएम के सहयोग से 30 नवम्बर 2023 को 'ट्रैवल जर्नलिज्म' विषयक कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला चार चरणों में हुई, जिसमें प्रथम चरण में फोटो प्रदर्शनी थी। इसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की खींची गई बेहतरीन तस्वीरों को रखा गया। दूसरे चरण में विभाग के शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार के यात्रा वृत्तान्त 'फाइव कलर्स आफ ट्रैवल' का विमोचन हुआ। इसमें लेखक सहित विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने हिस्सा लिया। तृतीय चरण में मुख्य वक्ता उमेश पंत ने विद्यार्थियों को ट्रैवल जर्नलिज्म के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यात्रा में होना दरअसल अपना पहना हुआ उतार कर दुनिया का उतरा हुआ पहन लेना है।उमेश पंत ने कृष्णनाथ, अनिल कुमार,राहुल सांकृत्यायन आदि लेखकों को पढ़ने और उनके लिखने की विधा सीखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में

प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार, डॉ. निशा, डॉ. सीमा झा सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

एडिटिंग सॉफ्टवेयर सर्टिफिकेट कोर्स: मीडिया में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए 'एडिटिंग सॉफ्टवेयर सर्टिफिकेट कोर्स' 3 फरवरी 2024 को गूगल मीट प्लेटफार्म पर ऑनलाइन शुरू किया गया। इसकी अवधि 24 मार्च 2024 तक रहेगी। पहले दिन उद्घाटन सत्र में विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया में प्रयोग होने वाले सॉफ्टवेयर्स की जानकारी देना है, जिससे विद्यार्थी इन सॉफ्टवेयर को इस्तेमाल करना अच्छे से सीख पाएं।कोर्स के सह समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि इसमें विशेषज्ञ अलग अलग मीडिया प्रोडक्शन के सॉफ्टवेयर सिखाएंगे। कोर्स के दौरान एडोब इनडिजाइन, क्वार्क एक्सप्रेस, कोरल ड्रा, एडोब ऑडिशन, एडोब प्रीमियर प्रो, एडोब आफ्टर इफेक्ट्स, एडोब इलस्ट्रेटर, वर्डप्रेस, ब्लॉगर आदि सॉफ्टवेयर सिखाए गए। छात्र समन्वयक की जिम्मेदारी आयुष प्रजापति पर रही।

भाषा और संचार कौशल प्रशिक्षण: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों के लिए भाषा और संचार कौशल विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विशेषज्ञ प्रो. राकेश कुमार थे। 7 फरवरी 2024 को कमरा नंबर 28 में आयोजित कार्यशाला में

प्रो. राकेश कुमार ने भाषा और संचार कौशल के अनेक पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

रेडियो तरंग 90.0 एफएम की पहली वर्षगांठ : राम लाल आनंद महाविद्यालय के सामुदायिक रेडियो तरंग 90.0 एफएम की पहली वर्षगांठविश्व रेडियो दिवस पर 13 फरवरी 2024 को मनाई गई।एम्फी थिएटर में आयोजित भव्य समारोह मेंमुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद ऑल इंडिया रेडियो में प्रोग्रामिंग हेड रहीं डॉ. रितु राजपूत नेकहा कि रेडियो के लिए मानक सम्मत भाषा बरकरार रखनी है। उसके साथ बोलचाल की भाषा होनी चाहिए। हां, यह ध्यान रखना

चाहिए कि वह सहज, सरल और आसानी से समझ में आने वाली हो। इसके लिए आप अच्छे लोगों को सुनिए। अच्छे लोगों से सीखिए। अच्छा पढ़िए। एयर पर जाने से पहले क्रास चेक करिए।बीबीसी हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार रेहान फजल ने कहा कि पत्रकारिता में आपको इस तरफ का भी लेना है। उस तरफ का भी लेना है। तभी आप सही पत्रकारिता कर पाएंगे। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि मन में सवाल आया कि क्या हमारे विद्यार्थी सभी संचार माध्यमों के लिए तैयार हैं, इसी सवाल ने रेडियो स्टेशन की स्थापना की ओर बढ़ाया। चुनौतियां बहुत रहीं। होनी भी चाहिए। उन्हीं से हम सीख पाएंगे। रेडियो तरंग के निदेशक प्रो. राकेश कुमार ने सामुदायिक रेडियो की स्थापना का विचार आने से लेकर अब तक की पूरी यात्रा पर प्रकाश डाला। समारोह में रेडियो तरंग में सबसे अधिक योगदान देने वाले पांच विद्यार्थियों-शृंगारिका, निहारिका, शिवांश, कृष्णकांत और आदित्य कनोजिया को पुरस्कृत किया गया।पिछले साल पासआउट बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया, जो तरंग की शुरुआती यात्रा में शामिल रहे। इनमें दीपशिखा, समीरा, इमरान, रोहित, रवि, आकांक्षा, प्रीति, काजल, शिवानी आदि शामिल थे। विशेष सम्मान रेडियो तरंग की जिंगल बनाने वाले कमल प्रजापति को दिया गया। धन्यवाद की जिम्मेदारी हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. अर्चना गौड़ ने निभाई। समारोह में उपप्राचार्य प्रो. सुभाष चन्द्र डबास, प्रो. श्रुति आनंद, डॉ. एनी रे, डॉ. रीना, डॉ. सुनयना, डॉ. रोशनलाल मीणा सहित विभाग के सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

बीबीसी का शैक्षिक भ्रमण : हिंदी पत्रकारिता के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण के तहत 29 फरवरी 2024 को बीबीसी न्यूज हाउस गए।बीबीसी के समाचार संपादक कुशाल लाली ने पत्रकारिता एवं जनसंचार के विद्यार्थियों से बात करते हुए न्यूज़ चैनल का दौरा कराया। विद्यार्थियों को बीबीसी न्यूज़ चैनल के ढांचा और काम करने के तरीकों के बारे में जानने का अवसर मिला। बीबीसी न्यूज़ चैनल एक बहुभाषी न्यूज़ चैनल है। इसलिए सबसे पहले विद्यार्थियों को चैनल की अलग-अलग भाषाओं की टीम से मिलवाया गया और उनके काम करने के तौर तरीकों के बारे में बताया गया। फिर विद्यार्थियों को न्यूज़ चैनल में उपयोग में आने वाली तकनीकों से रूबरू करवाया गया। इस दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. प्रदीप कुमार मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'संसृष्टि': हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से आयोजित 'संसृष्टि' समारोह में प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने नारी शक्ति पर विचार करते हुए कहा कि 1964 में महाविद्यालय में 20 फीसदी महिलाओं की भूमिका होती थी, जो आज 45 से 50 फीसदी तक पहुँच गई है। महाविद्यालय के टापर्स की सूची देखता हूँ तो लड़कियों की बहुतायत संख्या सुख देती है। बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों के बेहतरीन प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाचार पत्रों की पहली हेडलाइन लड़कियों के नाम की होती है। प्राचार्य ने मंच पर मौजूद महिला शिक्षकों को पुष्प देकर सम्मानित किया। साथ ही जेंडर सेंसटाइजेशन कमेटी अस्मि के विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शिक्षिका प्रो. प्रेरणा दीवान, प्रो. मुक्ता मजुमदार, प्रो. अर्चना गौड़, प्रो. श्रुति आनंद और प्रो. संजय कुमार शर्मा ने भी अपनी बात रखी। इससे पहले हिंदी पत्रकारिता के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए पूरे आयोजन की रूपरेखा रखी। वेस्टर्न डांस समिति इल्यूजन व दस्तूर ने नारी को संबोधित अपनी प्रस्तुति दी। अस्मि, इल्यूजन, दस्तूर, इनारा और रेडियो तरंग 90.0 एफएम के सहयोग से समारोह को आयोजित किया गया।
महाविद्यालय के रोज गार्डन में लगी महिला केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी को लोगों ने निहारा।

पत्रकारिता के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने नारी केन्द्रित अपने नाटक से लोगों का दिल जीता। आर्यन के निर्देशन में जया, शिवम, रोहित, ख़ुशी शाक्य, राहुल, अंशिका, सोनिका, दिव्या और ख़ुशी चौहान के उम्दा अभिनय ने लोगों को भावुक कर दिया।

महिला शिक्षिकाओं के मध्य म्यूजिकल चेयर की प्रतियोगिता में कई रंग देखने को मिले, जिसमें विजेता का पुरस्कार प्रो. मुक्ता मजुमदार को मिला। वहीं कॉमन म्यूजिकल चेयर के विजेता डॉ. राजेश कुमार गौतम रहे। रोटी बनाने की प्रतियोगिता में डॉ. राजेश कुमार गौतम ने बाजी मारी। हेयर ब्रीडिंग, गेस द ऑब्जेक्ट, फेस पेंटिंग और पीरियड्स क्रैम्प स्टिम्युलेटर भी आकर्षण का केंद्र रहे।

सुन्दर नर्सरी का शैक्षिक भ्रमण : विभाग के संयोजक प्रो. राकेश कुमार के नेतृत्व में हिंदी पत्रकारिता के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण के तहत 15 मार्च 2024 को सुन्दर नर्सरी पहुंचे।इसमें विद्यार्थियों के बीच सामूहिकता का संदेश देना था। उन्होंने हुमायूं का मकबरा, झील और पर्यावरण के लिहाज से सैकड़ों किस्म के फूल और पौधों को देखा। इसके बाद एक निश्चित जगह पर एकत्र होकर सामूहिक रूप से लंच किया।लंच के बाद प्रतियोगिताओं का दौर शुरू हुआ। इसमें फिल्मी जानकारी पर केन्द्रित प्रतियोगिता में श्रृंगारिका के नेतृत्व वाली टीम ने बाजी मारी तो विकास यादव की टीम दूसरे स्थान पर रही। खो-खो प्रतियोगिता में रोहित और हर्षित की टीमों के बीच मुकाबला हुआ। इसमें हर्षित की टीम ने जीत का परचम लहराया। इसके साथ ही फिल्मी संवाद से लेकर गीत और कविताएं भी बच्चों ने पेश कीं। अंत में लोगों को संदेश देने के लिए सफाई अभियान चलाया गया।विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी, सुश्री सीमा भारती, डॉ.प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह, सुश्री श्वेता आर्या सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

एसपीएसएस प्रशिक्षण कार्यशाला: हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय एसपीएसएस सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ के रूप में सुश्री श्वेता आर्या ने 8 और 9 अप्रैल 2024 को मीडिया लैब में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। इसमें दोनों वर्षों के 18 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रो. राकेश कुमार
संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
रामलाल आनंद महाविद्यालय